विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 2-8 जुलाई 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 05 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में सच्चे और अच्छे आदमी को अक्सर अपनों से ही तकलीफ होती है. पूरी दुनिया उस व्यक्ति को समझ लेती है लेकिन जो लोग समझने की वह उम्मीद करता है, वह कभी नहीं समझ पाते हैं. जीवन में किसी को समझने के लिए निःस्वार्थ विचार होना जरूरी होता है. आप जब निश्चल मन के रहेंगे तो निश्चित तौर पर बाकी कोई चिंता करे या नहीं करें लेकिन परमात्मा आपकी चिंता अवश्य करते हैं.

सरकारी कर्मियों के लिए राहत भरी खबर,डेटा भेजने का समय बढ़ाया

विदर्भ स्वाभिमान,1 जुलाई

नई दिल्ली- आठवें वेतन आयोग के तहत बढ़ी सैलरी और पेंशन का बेसब्री से इंतजार कर रहे कर्मचारी-पेंशनर्स के लिए बड़ी खबर सामने आई है. पे कमीशन ने मंत्रालयों और विभागों की ओर से जरूरी डेटा भेजने की आखिरी तारीख को और आगे बढ़ा दिया है. पे कमीशन के डिप्टी सेक्रेटरी ने एक लेटर जारी किया है, जिसमें आठवें वेतन आयोग के बारे में काफी अहम जानकारी दी गई है.एक्सपर्ट के मताबिक, पे कमीशन के कोई भी निर्णय लेने से पहले, अलग-अलग विभाग, मंत्रालय, केंद्र शासित प्रदेश के नोडल अधिकारी सारा डेटा कलेक्शन पोर्टल पर अपलोड करते हैं, जिसके बाद ही पे कमीशन अपनी फाइनल रिपोर्ट तैयार करता है-29 मई 2026 को एक पत्र जारी किया गया था, जिसमें कलेक्शन पोर्टल के जरिए मंत्रालय, विभाग और केंद्र शासित प्रदेशों को तय समय के अंदर डेटा जमा करना था.

प्राविडंट फंड में किया गया बड़ा बदलाव

सैलरी लिमिट का 12 फीसदी कंट्रीब्यूशन करना ज़रूरी कर दिया

विदर्भ स्वाभिमान,1 जुलाई

नई दिल्ली- श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ईपीएस स्कीम, 2026 के बारे में एक नोटिफिकेशन जारी किया है. प्रोविडेंट फंड (पीएफ) में एक बड़ा बदलाव हुआ है और एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने सैलरी लिमिट (अभी 15,000 रुपये प्रति महीना) का 12 फीसदी कंट्रीब्यूशन करना ज़रूरी कर दिया है. पीएफ प्रबंधन ने कहा है कि इससे ज़्यादा कोई भी कंट्रीब्यूशन वॉलंटरी या स्वैच्छिक माना जाएगा.

इसका मतलब है कि प्राइवेट नौकरी करने वाले लोग रिटायरमेंट सेविंग्स में ज़्यादा कंट्रीब्यूट करने का फैसला कर सकते हैं. एम्प्लॉयर के पास इस एक्स्ट्रा रकम तक कंट्रीब्यूट करने का ऑप्शन है, लेकिन यह ज़रूरी नहीं है और वॉलंटरी कंट्रीब्यूशन को कभी भी बदला या रोका जा सकता है. नए नोटिफिकेशन के मुताबिक, अगर किसी एम्प्लॉई की महीने की सैलरी 1 लाख रुपये है, तो भी घ्क़ कंट्रीब्यूशन 1,800 रुपये होगा और एम्प्लॉयर भी उतनी ही रकम कंट्रीब्यूट करेगा. हालांकि, आपके पास बची हुई सैलरी का कुछ हिस्सा रिटायरमेंट सेविंग्स के लिए अलग रखने का ऑप्शन भी होगा. लें या न लें? यही टेंशन है

नए नियम क्या हैं?

बुधवार को घोषित इपीएस स्कीम, 2026 के नियमों के अनुसार- कोई भी कर्मचारी तय सैलरी लिमिट से ज़्यादा सैलरी पर तय रेट पर या उससे ज़्यादा एक्स्ट्रा वॉलंटरी कंट्रीब्यूशन करने का ऑप्शन चुन सकता है.इसके अलावा, एम्प्लॉयर के पास भी वॉलंटरी कंट्रीब्यूशन की रकम तक कंट्रीब्यूट करने का ऑप्शन होगा, लेकिन यह ज़रूरी नहीं है. कर्मचारी और एम्प्लॉयर दोनों ही कभी भी एक्स्ट्रा वॉलंटरी कंट्रीब्यूशन को कम या रोक सकते हैं. ध्यान दें कि यह नियम सिर्फ़ उन कर्मचारियों के लिए है जिन्हें ज़्यादा सैलरी मिलती है.

ज़्यादा पीएफ कंट्रीब्यूशन करने का ऑप्शन-उदाहरण के लिए, अगर किसी की बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है, तो पहले नियम के हिसाब से सैलरी का 12 फ़ीसदी यानी 6000 रुपये पीएफ में जमा होता था. लेकिन अब नए नियम में बदलाव के हिसाब से, भले ही सैलरी एक लाख रुपये हो, कंपनी शुरुआती लिमिट 15000 रुपये तक सिर्फ़ 1800 रुपये ही काट सकती है, जो ज़रूरी है. इसमें एम्प्लॉयर भी उतना ही कंट्रीब्यूट करेगा. तो आप अपनी बची हुई सैलरी से रिटायरमेंट सेविंग्स के तौर पर ज़्यादा पीएफ काटना चाहते हैं या नहीं, यह पूरी तरह आप पर निर्भर करेगा.

यह पूरा व्यापार अमरावती से होता था। अमरावती के गाड़ीवान बैलगाड़ी से मिर्ज़ापुर, यानी उत्तर प्रदेश में गंगा के किनारे जाते थे। इसी तरह व्यापार दक्षिण में हैदराबाद भी जाता था। 1818 तक अमरावती शहर बहुत अमीर था। अंग्रेज़ों ने पूरे भारत पर राज कर लिया था। इस वजह से रियासतों के साथ जो सैनिक थे, वे बेरोज़गार हो गए। उनमें से कुछ ने सेना में भर्ती होकर लूटपाट का बिज़नेस शुरू कर दिया। यहीं से ठगबाजों और पेंढारी की शुरुआत हुई। ऐसे समूह शहरों को लूट लेते थे।

दुग्धपुर्णा (शीतालय)

जब गर्मी सताए तो सही उपाय,
दुग्धपूर्णा शीतालय में आएं...

पायनापल शेक, मँगोशेक, चिकू शेक,ड्रायफ्रूट शेक,
अंजीर- काजू शेक, फ्रेश फ्रूट ज्यूस, स्पेशल ज्युस

राजकमल चौक, अमरावती

रियल होलसेल शोरूम की
रियल सेल

श्रद्धा मॉल

बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी फ्री
साथ ही 10% से 60% तक की छूट भी

■ 2 रा माला, तखतमल ईस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजीलैंड, नांदगाँव पेठ, अमरावती.

होलसेल भावात
संपूर्ण लग्न बस्ता

आराधना

होलसेल शॉपिंग मॉल
होलसेल रेट में रिटेल विक्री
डिझाईनर साडीयाँ, ड्रेस मटेरिअल, सलवार सुट, सुटिंग शर्टिंग, मेन्स वेअर
फॅशन | ज्वेलरी | किड्स् वेअर | शूज व सँडल | होम डेकोर | मॅचिंग

जवाहर रोड, अमरावती. © 2574594 / L 2, बिझीलॅन्ड कॉम्प्लेक्स, नांदगावपेठ, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

ख़तरों से बचने के लिए प्रयास होना चाहिए

प्रशासन की प्यास लगने पर कुआं खोदने वाली नीति के कारण हर साल कई लोगों की मौत होती है, भारी नुकसान होता है, व्यवस्था अस्तव्यस्त होती है लेकिन दुर्भाग्य की कुछ दिनों तक गंभीरता का ढोंग कर फिर से उदासीनता वाला रवैया अख्तियार किया जाता है.शहर में जर्जर कई इमारतें हैं, उन्हें केवल नोटिस देकर हम भूल जाते हैं. यह भवन गिरने पर लोगों की मौत होती है और कुछ दिनों तक शोरशराब किया जाता है, सतर्कता बरतने के बाद फिर ढांक के वही तीन पात होते हैं.

अमरावती जैसे तेजी से बढ़ते शहरों में भीड़भाड़ वाली इमारतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. कोचिंग क्लासेस, स्कूल, कॉलेज, मॉल, होटल, अस्पताल और विवाह भवनों में प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही रहती है. ऐसे में इन स्थानों पर अग्निसुरक्षा की मजबूत व्यवस्था होना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की सुरक्षा का मूल आधार है.महानगरपालिका द्वारा इस विषय पर आयोजित बैठक स्वागतयोग्य कदम है. महापौर श्रीचंद तेजवानी और प्रशासनिक अधिकारियों ने जिस गंभीरता से अग्निसुरक्षा नियमों की समीक्षा की, वह यह दर्शाता है कि शहर में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ रही है. लेकिन यह भी सच है कि केवल बैठकों और निर्देशों से हालात नहीं बदलते. असली चुनौती इन नियमों को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने की है. लखनऊ में कोचिंग में लगी आग में कई बच्चों की मौत के बाद कोचिंग क्लासेस में छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था की क्या स्थिति है, इस पर कोई ध्यान देता है अथवा पैसे कमाने की अंधी दौड़ में शिक्षा क्षेत्र भी शामिल हो गया है. लाखों रूपए ट्यूशन फीस लेने के बाद भी छात्रों की सुरक्षा का ध्यान नहीं रखना भी गंभीर विषय है. इस पर गंभीरता से कदम उठाया जाना चाहिए.

अक्सर देखा गया है कि कई सार्वजनिक और व्यावसायिक इमारतों में अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं होते या फिर अनुपयोगी अवस्था में पड़े रहते हैं. आपातकालीन निकास मार्गों पर अवरोध, कर्मचारियों को प्रशिक्षण का अभाव और नियमित मॉक ड्रिल की कमी जैसी लापरवाहियां किसी भी समय बड़े हादसे को जन्म दे सकती हैं.महानगरपालिका द्वारा 15 दिनों में सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने और एसओपी बनाने का निर्णय सराहनीय है, लेकिन इसके साथ दोषियों पर सख्त कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है. यदि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर दंड नहीं होगा, तो सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित रह जाएगी.आज जरूरत इस बात की है कि प्रशासन, इमारत मालिक और नागरिक तीनों अपनी जिम्मेदारी समझें. अग्निसरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है. एक छोटी सी लापरवाही कई जिंदगियों को खतरे में डाल सकती है. इसलिए समय रहते सजग होना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है. घटनाएं होने के बाद तमाम सतर्कता बरतने की बजाय घटनाओं को नहीं होने देने का प्रयास अगर किया जाए तो निश्चित तौर पर यह अत्याधिक प्रभावी हो सकती है.

महान हैं भारत के सभी त्यौहार और संदेश

वट सावित्री व्रत की आदर्श परंपरा, प्रकृति और कृतज्ञता का संदेश

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

जीवन में कई बार हमें किसी विषय का ज्ञान नहीं रहने के बाद भी हम उस पर गलत टिप्पणी कर देते हैं. भारतीय संस्कृति और संस्कार जहां महान हैं, वहीं हमारे हर पर्व भी बेहतरीन मानवता, पर्यावरण संतुलन का संदेश देते हैं. लेकिन थोड़ी ज्यादा पढ़ाई करने वाली कुछ महिलाओं द्वारा जब इसे अंधश्रद्धा का नाम दिया जाता है तो निश्चिति ही बुरा लगता है. वट सावित्री का पर्व भी ऐसा ही शानदार और बेहतरीन संदेश देने वाला पर्व है. इस बारे में किसी सज्जन का भेजा हुआ यह विचार मन को भाया और लोगों तक पहुंचाने के नेक उद्देश्य से इसे यहां दिया जा रहा है. यह चिंतन मनन का भी विषय है. पूरी जानकारी के बगैर कभी राय नहीं देनी चाहिए. एक दिन मैं अपने एक नवविवाहित मित्र के घर बैठा था. उस दिन वट सावित्री पूर्णिमा थी. बातचीत के दौरान मैंने सहज ही भाभीजी से पूछा, 'क्या आज वट सावित्री का व्रत रखा है?'वे मुस्कुराते हुए बोलीं, 'मैं विज्ञान में विश्वास करती हूँ. ऐसी अंधश्रद्धाओं पर मेरा भरोसा नहीं है.'

मैंने कहा, 'विज्ञान का अर्थ है किसी भी बात को उसके कारण और तर्क के आधार पर समझना. यदि किसी

परंपरा के पीछे का कारण जाने बिना उसे अंधविश्वास कह दिया जाए, तो क्या यह उचित होगा?'

फिर मैंने पूछा, 'वट (बरगद) के वृक्ष की ही पूजा क्यों की जाती है? किसी दूसरे पेड़ की क्यों नहीं?उन्होंने कहा-मुझे नहीं पता.तब मैंने कहा, 'बरगद का वृक्ष अपनी विशाल छाया, दीर्घायु और प्रकृति संरक्षण के लिए जाना जाता है. भारतीय संस्कृति में इसे स्थिरता, दीर्घ जीवन और संरक्षण का प्रतीक माना गया है. इसलिए इसकी पूजा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भी प्रतीक है.

लोककथा के अनुसार, सावित्री ने अपने पति सत्यवान के जीवन की रक्षा के लिए बरगद के वृक्ष के नीचे तप, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया. तभी से वट सावित्री व्रत पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि और अटूट दांपत्य का प्रतीक माना जाता है.

इस पर्व का वास्तविक संदेश केवल व्रत रखना नहीं, बल्कि वृक्षों का संरक्षण, प्रकृति के प्रति आभार और परिवार के प्रति समर्पण भी है. आज जब पर्यावरण संकट बढ़ रहा है, तब बरगद जैसे विशाल और उपयोगी वृक्षों का संरक्षण करना हम सभी का कर्तव्य है.आइए, वट सावित्री के अवसर पर केवल पूजा ही नहीं, बल्कि एक वृक्ष लगाने और प्रकृति की रक्षा करने का भी संकल्प लें. यही इस पर्व की सबसे सुंदर और सार्थक भावना है.भारतीय संस्कृति और परम्परा में यह महानता है कि हमारे संस्कारों के साथ ही हर त्यौहार बेहतरीन संदेश देते हैं. इसका हम सभी को अभिमान होना चाहिए. लेकिन बिना समझे बूझे ही कई बार हम जब उंगली उठाते हैं तो दुःख होता है. या तो अपनी बात को साबित करने का तर्क होना चाहिए. वर्ना हमारे ही महान विरासत को ठेंगा दिखाने जैसा होगा. आधुनिकता का ही असर है कि आज तमाम समस्याएं पैदा हुई हैं और व्यक्ति जड़ों से टूटने के बाद लगातार परेशान है. शादी के जन्मों के बंधन को मजाक बनते हुए देखा जा रहा है. शादी से पहले ही वर को निपटाया जा रहा है.

महाजनपुरा में जारी है श्रीराम लीला,उमड़े भक्त

विदर्भ स्वाभिमान, 1 जुलाई

अमरावती- सनातन धर्म के प्रचार-प्रचार के लिए सक्रीय रामायण रामलीला मंडल द्वारा शहर केमहाजनपुरा क्षेत्र के गजानन महाराज मंदिर में बारह दिवसीय श्रीराम लीला मंचन का आयोजन किया गया है. इसकी शुरूवात बुधवार 1 जुलाई से हो गई है. पहले ही दिन बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन तथा उनके आदर्शों को जानने के लिए बड़े पैमाने पर उमड़े. पंडित प्रवीण दुबे के साथ ही साथी कलाकारों द्वारा बेहतरीन अभिनय का जहां लोगों द्वारा सराहना की जा रही है, वहीं दुसरी ओर पं. प्रवीण दुबे के मुताबिक प्रभु श्रीराम को जीवन में उतारने के बाद जीवन कल्याणकारी हो जाता है.

रामलीला मंचन के दौरान परिवार के महत्व के साथ ही माता-पिता, भाई, बहन के साथ हमारा कैसा बर्ताव होना चाहिए, इसकी सीख मिलती है. प्रभु श्रीराम ने जीवनभर मर्यादाओं का पालन किया है. हमारे परिवार में एक भी व्यक्ति अगर श्रीराम के आदर्श विचारों का अनुकरण करना शुरू कर दे तो परिवार में ही स्वर्ग हो जाए. गजानन महाराज मंदिर में शाम 7.30 से 10.30 बजे के दौरान जारी कथा तथा रामायण मंचन देखने के लिए क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उमड़ पड़े हैं. अधिकाधिक संख्या में भक्तों से इसका लाभ लाभ लेने और बच्चों सहित रामलीला देखने आने और अपने बच्चों को भी आदर्श नागरिक बनाने का कार्य करने का आग्रह अभिभावकों से किया गया है. 12 जुलाई तक चलने वाले इस धार्मिक और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम का क्षेत्रवासियों के साथ ही शहरवासियों से भी लाभ लेने का आग्रह संचालक पं. प्रवीण दुबे ने किया है. हर कलाकार द्वारा विभिन्न भूमिकाओं को आदर्श तरीके से निभाया जा रहा है. यही कारण है कि मंडल अपार लोकप्रिय हो रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

जनता के अपने नायक विधायक हैं केवलराम काळे

जन्मदिन पर विशेष, करोड़ों के विकास काम किए

आदिवासी बहुल मेलघाट के विधायक के रूप में केवलराम काळे ने जहां क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है, वहीं जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उसका निराकरण करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं. बिजली, पानी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण के साथ ही सभी की बातों को सुनना और निराकरण करने की उनकी खूबी के कारण क्षेत्र में जनता के नाक के रूप में उन्हें देखा जाता है.

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायक जनता और शासन के बीच एक मजबूत कड़ी होते हैं. एक सच्चा विधायक के रूप में वे केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने क्षेत्र के विकास, जनता की समस्याओं के समाधान और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्य करते हैं. आदिवासियों के जीवन को सुकर करने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं. ऐसे जनप्रतिनिधि को ही सही मायनों में जनता का नायक कहा जाता है.जनता के नायक विधायक वह होते हैं जो हर परिस्थिति में अपने क्षेत्र की जनता के साथ खड़े रहते हैं. केवलराम काळे क्षेत्र की सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ हीं आदिवासियों को रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से रोजगार दिलाने के लिए भी सदा तत्पर रहते हैं. इसके लिए वे शासन स्तर पर लगातार प्रयास करते हैं. उनकी प्राथमिकता केवल विकास कार्य नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ करीबी संबंधों के कारण क्षेत्र के विकासार्थ करोड़ों रूपए की निधि लाने में सफल रहे हैं. आदर्श विधायक के रूप में वे जनता की भावनाओं को समझते हैं और समस्याओं को अपना मानकर समाधान खोजते हैं. आपदा, संकट या किसी भी कठिन समय में उनकी सक्रियता जनता के विश्वास को और मजबूत बनाती है. जनता भी उन्हें विधायक ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्य के रूप में अपना दुःख दर्द बताती है. वह ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं. ऐसे विधायक ही समाज में परिवर्तन लाते हैं और विकास की नई दिशा तय करते हैं. यही कारण है कि जनता उन्हें अपना सच्चा नायक मानती है. केवलराम काळे के जन्मदिन पर हार्दिक शभकामनाएं. वह स्वस्थ रहें, मस्त रहें और जनता की सेवा करते रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

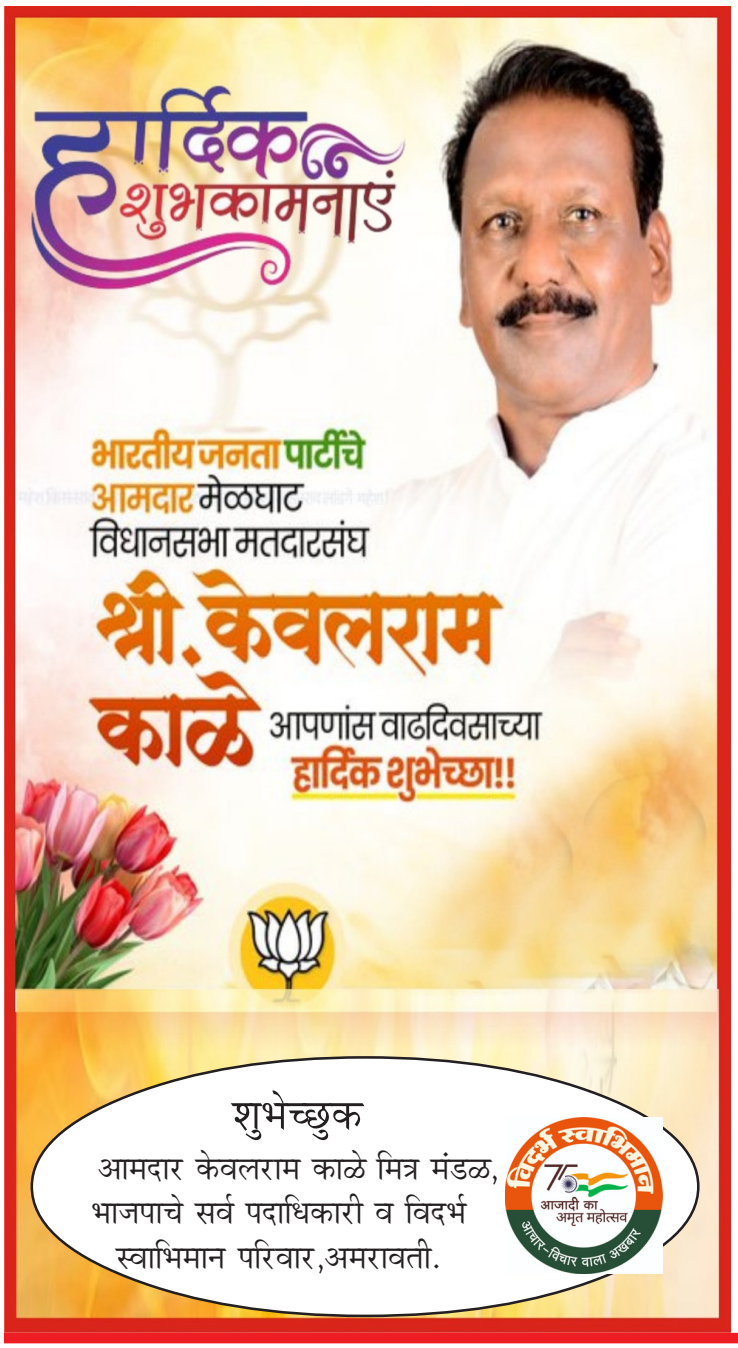

महाराष्ट्र शासन

कार्यालय कार्यकारी अभियंता

सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर

ई-मेल पत्ता achalpur.cel@mahapwd.gov.in दुरध्वनी फैक्स क्रमांक 07223-220260

निविदा सुचना क्रमांक-09/निली/2026-2027

कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर दुरध्वनी क्रमांक 07223-220260 हे राज्यपाल, महाराष्ट्र शासन हयांच्या वतीने खालील कामाचे ब-1. नमुन्यातील ऑफलाईन निविदा सार्वजनिक बांधकाम विभाग महाराष्ट्र शासनाकडील योग्य त्या वर्गातील नोदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागवित आहे. निविदा विषयी तपशील http://mahapwd.gov.in पोर्टलवर Pay PWD Online सबपोर्टलवर पहामि मिळेल e-Payment Gateway निविदा भरून कोरी निविदा प्रपत्र डाउनलोड करावी. http://mahapwd.gov.in या पोर्टलवरून निविदा खरेदी केल्यानंतर खरेदी केल्याची पावती लिफाफा कभी निविदेत नमूद केलेले दस्ताऐवज सादर करणे बंधनकारक राहील व कोरे निविदा प्रपत्र Online महाराष्ट्र शासनाच्या वतीने खरेदी केल्यावर निविदा प्रपत्राच्या प्रती कादून (Tender Print Out) व्यवस्थित बाइंडिग करून निविदा प्रपत्रात आवश्यक त्या ठिकाणी देकार भरून स्वाक्षरी करून विवियामा सिलबंद लिफाफा क्र.? मध्ये सादर करणे आवश्यक आहे. सोबत नोंदणीकृत कंत्राटदाराची इसारा रक्कम एफ़डीआर स्वरूपात सादर करावी, तसेच निविदा स्विकारण्याचा तसेच निविदा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर यानी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	क़ामाचे नाव	अंदाजित कीमत
1	मौजे कोठारा ता. अचलपूर जि. अमरावती येथे ग्रामपंचायतचे खुले जागेवर सभागृह बांधकाम करणे.	808488.00
2	मौजे कु-हा ता.चांदुर बाजार जि. अमरावती येथे भवानी माता मंदिर बाजुने संरक्षण भित बांधकाम करणे	839764.00
3	मोजे कु-हा ता. चांदुर बाजार जि. अमरावती येथे चोगमल मालु कॉलेजचे भागे संरक्षण भित बांधकाम करणे.	839039.00
4	मोजे निझामपूर ता. अचलपूर जि. अमरावती येथे श्री. दिपक बुल ते मेन चौक पर्यंत सिमेंट कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम करणे.	842858.00
5	मोजे थुगांव पिंपरी ता. चांदुर बाजार जि. अमरावती येथे गजानन महाराज मंदिरजवळ संरक्षण भित बांधकाम करणे	843002.00
6	मोजे बोपापूर ता. अचलपूर जि. अमरावतो येथे श्री. दामोदरे ते तायडे यांचे घरापर्यंत सिमेंट कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम करणे.	822683.00

1	**ऑफलाईन निविदा डाऊनलोड करण्याचा कालावधी**	दिनांक 02-07-2026@ 10 वाजता ते 09-07-2026 @ 23.00 वाजता.
2	**निविदा पूर्व बैठक स्थळ, दिनांक व वेळ**	निरंक
3	**निविदाकारांनी ऑफलाईन निविदा तयार करण्यासाठी (तांत्रिक व आधिक निविदा) निविदेची हार्ड कॉपी सादर करण्याचा ठिकाण, दिनांक व वेळ**	ऑफलाईन निविदा बाबतची हार्ड कॉपी (तांत्रिक लिफाफा) सीलबंद लिफाफ्यामध्ये दि.13/07@18 वाजतापर्यंत निविदेनुसार कार्यालयात सादर करणे
4	ऑफलाईन तांत्रिक व आर्थिक निविदा उघडण्याचे ठिकाण, दिनांक व वेळ	कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर यांचे कार्यालयात दि.14/07/2026 @10 ते @.18 वाजेपर्यंत ऑफलाईन उपडण्यात येतील. (शक्य झाल्यास)

1) खालील कारणांमुळे आपली निविदा रद्द करण्याचे अधीकार सक्षम अधिकारी यांनी राखून ठेवले आहे.

1) निविदा प्रपत्राची सुस्पष्ठ न दिसनारी प्रप्त 2) अपूर्ण निविदा प्रपत्र (पान कमी असलेले) 3) निविदा प्रपत्रामध्ये कंत्राटदाराकडून छापील मजकुरामध्ये खोडतोड व बदल करणे. 4) निविदेसोबत जोडण्यात येणारे आवश्यक कागदपत्र राजपत्रीत अधिका-याकडून साक्षांकोलन केलेले कागदपत्र अपूर्ण कागदपत्रे 5) निविदा खरेदी केल्यानंतर खरेदी केल्याची पावती निविदेसोबत सादर न करणे. 6) निविदेच्या लिफाफयावर कामाचे संपर्ण नाव कंत्राटदाराचे संपूर्ण नाव व पत्यासहित व स्वाक्षरी न केलेले लिफाफे ईत्यादी.

2) निविदा विषयक सर्व सांक्षाकीत कागदपत्रे लिफाफा क्र.2 मध्ये सादर करावे व लिफाफा क्र.2 मध्ये देकाराची ब-1 निविदा प्रपत्र सादर करावी.

3) कोणत्याही कारणास्तव काम रद्द झाल्यास त्या कामाची कोरे निविदा प्रपत्राची रक्कम परत केल्या जाणार नाही किंवा इतर कामावर ती करता येणार नाही.

खालील संकेतस्थळावर ऑफलाईन निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे

http://mahapwd.gov.in

(सदर निविदङ्ग सूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईटवरती कळविण्यात येईल)

2) कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर कार्यालयातील सुचना फलक

जावक क्रमांक़ 2551/निली/2026-2027/ दि. 29/06/2026 कार्यकारी अभियंता याचे कार्यालय, सार्वजनिक बांधकाम विभाग,अचलपूर

कार्यकारी अभियंता
सार्वजनिक बांधकाम विभाग,
अचलपूर

लक्ष्मी की आज्ञा होने पर सभी जुटे काम में

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा
विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण
www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- हरि का इस रूप में आदर करते हुए, ब्रह्मादी को देखकर अब क्यों देर कर रहे हैं? सब मिल कर अपने-अपने काम शुरु कर लीजिए. चक्री का अभ्यांगन स्नान करवा दीजिए.' इस रूप में लक्ष्मी की आज्ञा होने पर सब अपने-अपने कामों में जुट गए. तब ब्रह्म ने गरुड और शेष को भेज कर सारे पुण्य तीर्थों से जल को कलशों में भरकर उस शेषाद्रि पर मंगाया. तब क्रम से कुंकुम मिलाकर चारों दिशाओं में रखकर, सूत्रों को उनके चारों ओर बांधने के लिए ब्रह्मा ने कहा. ब्रह्म के इस रूप में कहने पर तब पार्वती आदि ने प्रमुख स्त्रियाँ मंगल स्नान करके रंगीले वस्त्र और आभरण धारण करके दीप कलश, मंगल आरतियाँ हाथों में लेकर कल्याण के गीत गाते शुभ कार्य शुरु किए. ब्रह्म के द्वारा पहले बताने की तरह चारों दिशाओं में कुंकुम मिलाये पुण्योदक कुंभों को रखा. हर्षातिरेक में वरसूत्र बांध कर सुहागिनें मिलकर उन कुंभों के बीच में शोभित एक पीढ़े को रखा. तब ब्रह्म के द्वारा 'विवाह के पीढ़े पर बैठिए' कहने पर हरि ने लक्ष्मी की तरफ देखा. तब लक्ष्मी ने वासुदेव के चेहरे को ऊपर उठाकर विचित्र ढंग से देखा. गाल पर हाथ लगाकर, सिर झुकाकर, पाद की उंगली से जमीन पर लिखते हुए, मन में चिंता करते हुए, चेहरे को बिगाड़ कर, वहाँ होने वाले उत्सवों की तरफ नहीं देखते हुए दिखाई पड़नेवाली दुःखी रमा सति को देखकर हरि ने अपने मन में इस रूप में सोचा. 'मेरा विवाह करना पद्ममुखी को पसंद नहीं है. इसलिए चिंता कर रही है. अब मैं क्या करूँ?' ऐसा सोचते तिरछी आँखों से बार-बार रमासति की ओर देखते हुए दया करके ब्रहम ने देखकर चक्री ने कहा. 'हे विधाता! इस विवाह के लिए मेरे राजी होने से मेरा अपराध हो गया है. इस विवाह से मुझे क्या चाहिए? अब मुझे यह नहीं चाहिए. आप सब आज ही अपने-अपने स्थानों पर वापस लौट जाइए. मैं भी पहले की तरह वल्मीक के गर्भ में दुबक कर रहूँगा. माता-पिताहीन परदेशी को अब विवाह क्यों चाहिए? सारी दिशाओं के नाथ होते हुए भी मैं आज अनाथ और अकेला हूँ. चुपके से आकाश से इस मिट्टी पर गिर कर, पेट भरने के लिए मनुष्यों से याचना करते हुए जीना ही मेरे लिए बाकी रह गया है.

ऐसे मुझ में विवाह की इच्छा पैदा नहीं होनी चाहिए. इसलिए मुझे अभ्यांगन स्नान नहीं करना चाहिए.' कहने पर ब्रह्म देव ने भयभीत होकर श्री स्वामी की ओर देखकर उनके पाद पद्मों को नमस्कार करके इस रूप में कहा. 'हे देव ! महालक्ष्मी आपको नित्य अनुयायिनी बन कर पत्नी होकर, मैं और मन्मथ पुत्रों के रूप में रहते हुए, बाकी रुद्र-इंद्रादि देवतागण पोतों के रूप में रहते, परपोते होते वृद्धि करते रहे. सबके लिए आधारभूत बनकर कूटस्थ ब्रह्म के रूप में रहनेवाले आपको यह चिंता क्यों हैं?' ब्रह्म के इस रूप में बोलने पर हरि ने कहा. 'दया से मेरे हाथों में तांबूल देकर मुझे आशीर्वाद देते हुए मुझ से अभ्यांगन स्नान करानेवाला कौन है?' कहते चिंता करते हुए आँखों से आँसू बहाते हरि सिरि की तरफ देखते रहे. तब सिरि की ओर इशारा किया हरि ने. तब लक्ष्मी ने हरि के पास आकर हँसते हुए दोनों हाथों को पकड़ कर उठाया. तब अपने मन में रहनेवाली चिंता को छोड़ कर मोद से वशिष्ट आदि मुख्य मुनियों को नमस्कार करके, उनसे आशीष पाकर हरि विवाह के पीढ़े पर बैठ गए.तत्व अरुंधती आदि प्रमुख सुहागिनें मंगल गीत गाते मंगल वाद्यों के बजते. उस महालक्ष्मी के साथ पार्वती, सावित्री, गायत्री और सरस्वती ने कुंकुमोदकों को थालियों में भरकर गीत गाते आरती उतारी.

शेष अगले अंक में

गुरूवार 2-8 जुलाई 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.किसी से नाहक विवाद नहीं करें.

वृषभ- घर में मेहमानों का आगमन होगा और स्पर्धा परीक्षा में सफलता का योग है. मेहनत करने को प्राथमकिता दें.संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.यात्रा का योग है.

तुला- घर में इस सप्ताह खुशियां रहेंगी. नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. मंगलमय काम पूरा होने का संतोष रहेगा. किसी को परेशान करने से बचना अच्छा होगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन- स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें. दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.नौकरी में बदलाव होने का योग बन रहा है.

धर्मनिष्ठ श्रावक, परिश्रमी किसान और आदर्श इंसान स्व.पुखराजजी गांग

पावन स्मृति में नमन,धर्म, कर्म और मानवता का सुंदर संगम थे

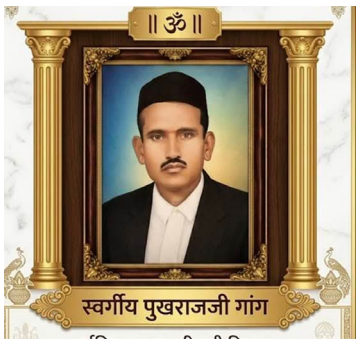

जीवन में कुछ लोग घर परिवार ही नहीं बल्कि समाज के लिए भी आदर्श होते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल थे स्व.पुखराजजी गांग. कवठा निवासी और बाद में बडनेरा में स्थायी हुए उनका जीवन स्वयं प्रेरणादायी था. धर्म, कर्म और मानवता का सुंदर संगम जिनके आचरण में दिखाई देता है, ऐसे व्यक्ति को ही सच्चे अर्थों में आदर्श इंसान कहा जा सकता है. धर्मनिष्ठ श्रावक, परिश्रमी किसान और आदर्श इंसान का त्रिवेणी संगम उन्हें कहना गलत नहीं होगा. उन्होंने बडनेरा में 1942 में मकान का निर्माण किया. इससे पहले कवठा में रहते और खेती करते थे. आदर्श किसान के रूप में उन्हें वहां भी पहचाना जाता था.

वह जहां धर्मनिष्ठ श्रावक थे, वहीं जीवन में धर्म के सिद्धांतों को केवल सुनते ही नहीं, बल्कि उन्हें आचरण में भी उतारते थे. सत्य, अहिंसा, संयम, दया और सेवा जैसे मूल्यों को ताउम्र अपनाकर परिवार को आदर्श संस्कार, आचार-विचार दिए. धार्मिकता के साथ उनके व्यवहार में विनम्रता, सहिष्णुता और करुणा का भाव रहता था. वह समाज में सद्भाव और नैतिकता का संदेश देते रहे और आज पिता के ही पदचिन्हों पर चलते हुए गांग परिवार लगातार मानवता की सेवा के साथ प्रगति कर रहा है.उनका जीवन परिश्रमी किसान के जीवन संघर्ष, मेहनत और धैर्य का प्रतीक था. कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता था, इसकी सीख उन्होंने सदा अपने कामों से दी. खेतों में दिन-रात मेहनत करके अपने परिवार की प्रगति में सक्रिय रहते थे. मौसम की कठिनाइयों, प्राकृतिक आपदाओं और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद वह हार नहीं मानते थे और मेहनत से खेती भी शानदार करते थे.

जब धर्मनिष्ठा और परिश्रम का संगम किसी व्यक्ति के जीवन में होता है, तब वह आदर्श इंसान बन जाता है. ऐसा व्यक्ति अपने परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनता है. वह अपने संस्कारों, मेहनत और सदाचार से जीवन की सच्ची मिसाल प्रस्तुत किया, उनका परिवार भी पिताजी के आदर्श विचारों पर आगे बढ़ रहा है.

आज समाज में उनके जैसे व्यक्तित्वों की आवश्यकता है, जो धर्म में आस्था रखें, कर्म में विश्वास रखें और मानवता को सर्वोपरि मानें. धर्मनिष्ठ श्रावक, परिश्रमी किसान और आदर्श इंसान स्व.पुखराजजी गांग वास्तव में समाज की अमूल्य धरोहर हैं. उनकी पावन स्मृति में नमन और वंदन.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

राजापेठ से बेलपुरा मार्ग बद्हाल, मनपा है उदासीन

विदर्भ स्वाभिमान, 1 जुलाई

अमरावती- शहर में करोड़ों रूपए की निधि लाने और खर्च करने के दावों के बीच राजापेठ से बेलपुरा का व्यस्ततम मार्ग बद्हाल हो गया है. काफी प्रयासों के बाद इस रास्ते पर मनपा प्रशासन द्वारा गिट्टी डाल दिया गया. लेकिन अभी तक उसे न तो सही ढंग से दबाया गया और न ही इस पर डामर का पैच मारा गया. इससे वाहनों के टायर जहां खराब हो रहे हैं, वहीं गुजरते समय दुर्घटना का डर सदा बना रहता है.

राजकमल चौक का रेलवे पुल गिरने के बाद बड़ी संख्या में लोगों को इस मार्ग से जाना पड़ता है. लेकिन रास्ते की बद्हाली के कारण परेशानी के साथ ही दुर्घटना का खतरा बना रहता है. इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की जा रही है. मनपा आयुक्त वर्षा लड्ढा मैडम से समुचित ध्यान देने तथा राहत देने का आग्रह किया गया है. लंबे समय से यह बद्हाली है.

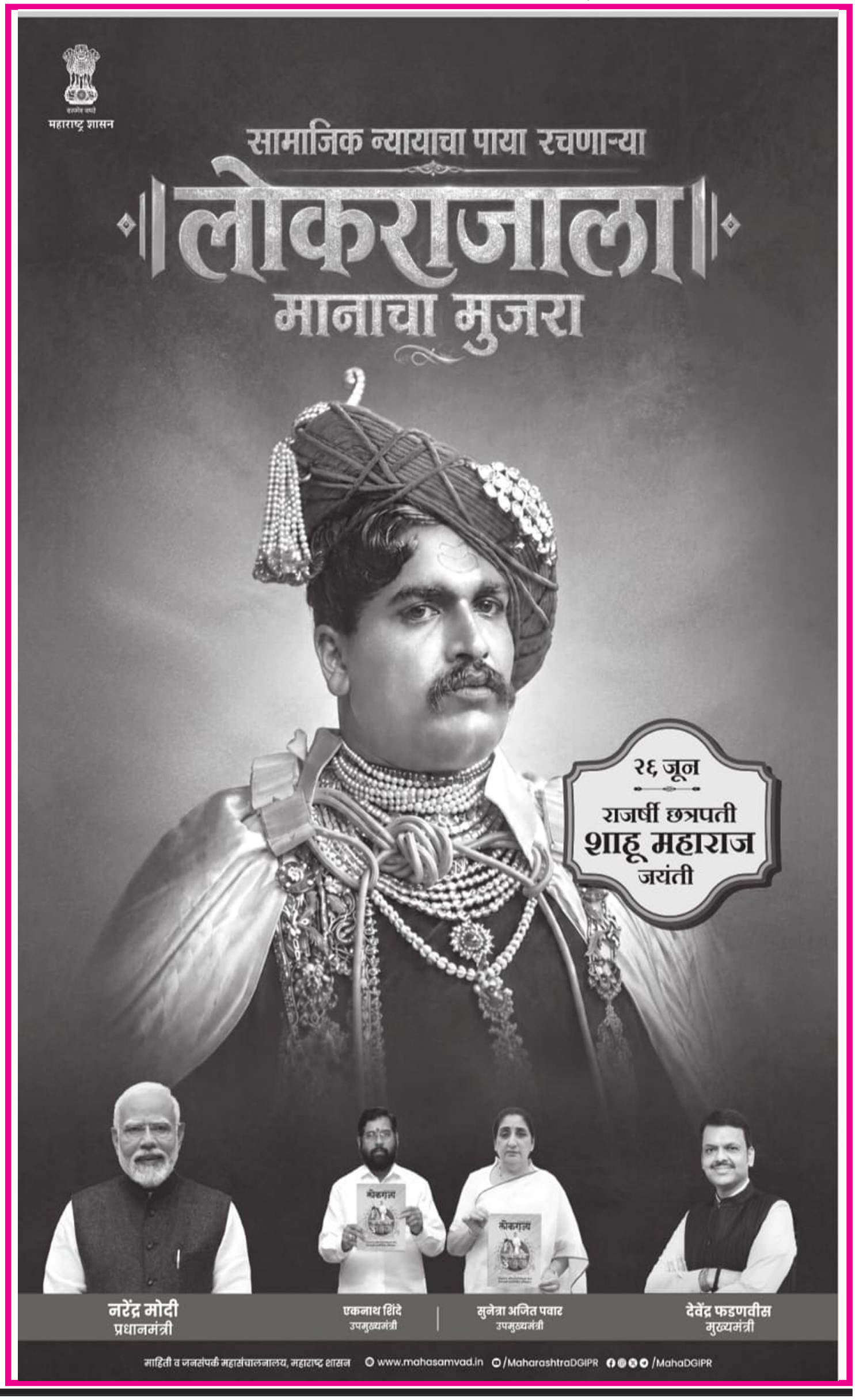

सादगी,सहजता ने दिलाई है बलवंत वानखडे को अपार लोकप्रियता

जन्मदिन 2 जुलाई पर विशेष, विकास के साथ जनभावनाओं की करते हैं सदा कद्र

जीवन में कुछ लोगों का स्वभाव सहज,सरल होता है, वह जो बोलते हैं, वही करते हैं. ऐसे ही लोगों मे शामिल हैं अपनी सादगी, स्पष्टता के साथ ही अपनों के साथ सदा निर्मल मन से व्यवहार करने वाले अमरावती जिले के लोकप्रिय सांसद बलवंतराव वानखडे. बोलने में कम और करने में जहां विश्वास रखते हैं, वहीं छल-कपट से कोसों दूर रहते हैं. यही कारण है कि ग्राम पंचायत से लेकर लोकसभा में पहुंचने तक का सफर उन्होंने किया है. जिले में जनसमस्याओं के निराकरण के साथ किसानों तथा दीन-दलितों ,पीड़ितों के अधिकार के लिए लड़ते हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.जनप्रतिनिधि का वास्तविक मूल्यांकन उसके पद से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार, कार्यशैली और जनता के प्रति समर्पण से होता है. इसी कसौटी पर सांसद बलवंत वानखड़े एक सादगीपूर्ण, संवेदनशील और जनहित के प्रति समर्पित जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं.विधायक रहते समय दर्यापुर में विकास की गंगा बहाई. अमरावती जिले के विकासार्थ सदा प्रयास कर रहे हैं. बलवंत वानखड़े का व्यक्तित्व सरल, सहज और आम लोगों से जुड़ा हुआ है. वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं. क्षेत्र के विकास, किसानों, युवाओं, महिलाओं तथा वंचित वर्ग के कल्याण को वे अपनी प्राथमिकता मानते हैं.सांसद के रूप में वे विकास कार्यों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और रोजगार जैसे मूलभूत मुद्दों पर विशेष ध्यान देते हैं. उनकी कार्यशैली में दिखावा नहीं, बल्कि सेवा, ईमानदारी और जवाबदेही का भाव दिखाई देता है.सादगी उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान है. वे आम नागरिकों के बीच सहजता से घुल-मिल जाते हैं और जनसंपर्क को अपनी ताकत मानते हैं. यही कारण है कि वे लोगों के बीच एक भरोसेमंद और संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहे हैं.समर्पण, सादगी और जनसेवा की भावना से प्रेरित बलवंत वानखड़े अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं. उनका प्रयास है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और क्षेत्र प्रगति की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें. जन्मदिन पर उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

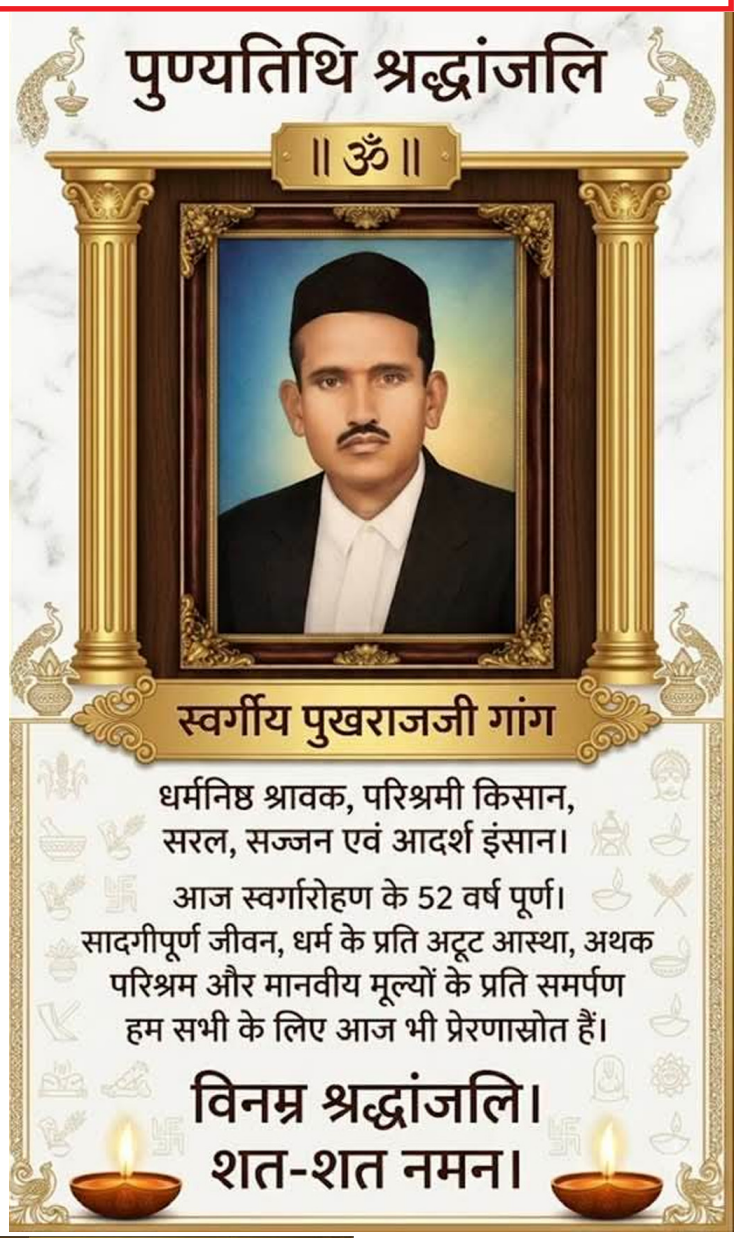

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

शिक्षा-शोध के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन में अग्रणी व्यक्तित्व प्रो. डॉ. संतोष बनसोड

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य, विश्वविद्यालय इतिहास अध्ययन मंडल के मानद सदस्य, आंबेडकर हिस्ट्री कांग्रेस के सचिव, प्रख्यात इतिहासकार एवं शोधकर्ताओं के मार्गदर्शक प्रो. डॉ. संतोष बनसोड का 2 जुलाई को जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया. इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें शुभकामनाओं की बधाइयाँ प्राप्त हुईं.उच्च शिक्षा, शोध, इतिहास लेखन और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रो. डॉ.संतोष बनसोड ने अपने अध्ययनशील एवं समर्पित कार्यों से शिक्षा जगत में विशिष्ट पहचान बनाई है.विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उन्होंने सदैव विद्यार्थियों के हितों की मजबूती से पैरवी की है. विशेष रूप से शोधार्थियों की समस्याओं, फेलोशिप, पीएच.डी. प्रक्रिया की कठिनाइयों, शोध के लिए आवश्यक सुविधाओं तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु उन्होंने निरंतर प्रयास किए हैं.

इतिहास विषय के गहन अध्येता के रूप में उन्होंने बहुजन, वंचित एवं उपेक्षित समाज के इतिहास का वस्तुनिष्ठ अध्ययन कर उसे समाज के सामने प्रस्तुत किया है. इतिहास अनुसंधान के माध्यम से उन्होंने अनेक विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा नई पीढ़ी के शोधकर्ताओं को नई दिशा प्रदान की है.प्रो. डॉ. संतोष बनसोड ने स्वयं को केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक एवं वैचारिक आंदोलनों में भी सक्रिय भूमिका निभाई है.आंबेडकरवादी आंदोलन के एक अध्ययनशील कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के समता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के विचारों के प्रसार के लिए व्याख्यानों, संगोष्ठियों और जनजागरण कार्यक्रमों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है. अनुसूचित जाति उप-वर्गीकरण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर भी उन्होंने तथ्यपरक और अध्ययनपूर्ण विचार प्रस्तुत कर समाज में वैचारिक जागरूकता का कार्य किया है.आंबेडकर हिस्ट्री कांग्रेस के सचिव के रूप में उन्होंने इतिहास अनुसंधान को नई दिशा देने का कार्य किया है. वहीं संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के इतिहास अध्ययन मंडल के मानद सदस्य के रूप में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है.विद्यार्थियों के प्रेरणास्त्रोत, शोधार्थियों के मार्गदर्शक, इतिहास के विद्वान व्याख्याता तथा सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पित चिंतक के रूप में उनकी पहचान स्थापित है. अमरावती विश्वविद्यालय के सीनेट से लेकर समाज जागरण के विभिन्न मंचों तक उन्होंने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान प्रदत्त न्याय, समानता और शिक्षा के संदेश को निरंतर जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया है.

उनके जन्मदिन के अवसर पर विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा मित्रों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं. सभी ने कामना व्यक्त की है कि उनके हाथों शिक्षा, शोध और सामाजिक परिवर्तन का यह महान कार्य भविष्य में भी और अधिक व्यापक रूप में निरंतर आगे बढ़ता रहे.जन्मदिन के पावन अवसर पर प्रो. डॉ. संतोष बनसोड को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं उज्ज्वल, स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएँ. अंत में यह शायरी....

हौसलों की उड़ान हो, सेवा का हो रास्ता,आपके साथ चले हर युवा का विश्वास सच्चा।
जन्मदिन पर ईश्वर से यही है प्रार्थना, आपका नेतृत्व चमके जैसे सूरज की किरणें सदा।

रवींद्र दांडगे, अमरावती

घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक केन्द्र ने फिर रचा इतिहास

सैमसंग आर20 सोनोग्राफी एवं कलर डॉप्लर मशीन लाई

विदर्भ स्वाभिमान, 1 जुलाई

अमरावती-अमरावती के स्वास्थ्य और डायग्नोस्टिक क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है.ि वश्वस्तरीय स्वास्थ्य जांच सुविधा अमरावती में उपलब्ध कराने के लिए सदा प्रयासरत रहने वाले घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर ने अत्याधुनिक तकनीक से लैस मध्य भारत की पहली सैमसंग आर20 सोनोग्राफी एवं कलर डॉप्लर मशीन शुरू कर चिकित्सा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत की है. यह आधुनिक मशीन दक्षिण कोरिया से आयातित की गई है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक से संचालित है. इस मशीन का परीक्षण अचूक रहने के साथ ही बेहतरीन स्वास्थ्य जांच में मील का पत्थर बनने का विश्वास जताया जा रहा है.

यह नई तकनीक मरीजों की जांच को पहले से अधिक तेज, सटीक और प्रभावी बनाएगी. सैमसंग आर 20 मशीन की खासियतों में अल्ट्रा हाई-रिजोल्यूशन इमेजिंग, रियल-टाइम एआई सहायता, तेज रिपोर्टिंग, शरीर की सूक्ष्मतम संरचनाओं और रक्त प्रवाह की स्पष्ट जांच, 27 इंच का ओलेड मॉनिटर और मल्टी-स्पेशियलिटी फुल बॉडी इमेजिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

विशेषज्ञों के अनुसार यह मशीन डायग्नोस्टिक गुणवत्ता में बड़ा बदलाव लाएगी और मरीजों को अब महानगरों जैसी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं अमरावती में ही उपलब्ध होंगी.

घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक डॉ.पंकज घुंडियाल ने कहा कि उनका

उद्देश्य वैश्विक तकनीक को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है. उन्होंने कहा कि हर स्कैन केवल एक जांच नहीं, बल्कि मरीज के स्वास्थ्य, उम्मीद और भविष्य से जुड़ा होता है. इस नई शुरुआत को अमरावती के चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है.अमरावती ही नहीं कई मामलों में घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर विदर्भ में अव्वल है.

विदर्भ स्वाभिमान

को आदर्श पत्रकारिता के साथ १७वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

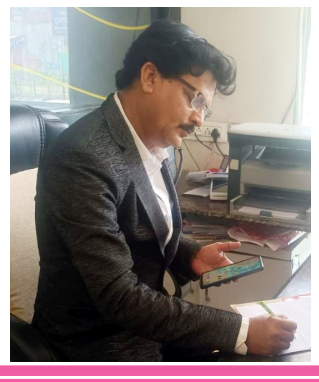

शुभेच्छुक
सुनील जयस्वाल(सुख्यात व्यवसायी और समाजसेवी), प्रीति जयस्वाल तथा होटल रामगिरी इंटरनेशनल परिवार ,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

को आदर्श पत्रकारिता के साथ १७वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
डॉ.पंकज घुंडियाल, डॉ.सौ. घुंडियाल तथा परिवार ,अमरावती.
वैद्यकीय क्षेत्र में क्रांति के साथ मानवता को समर्पित परिवार, अमरावती.

आदर्श पत्रकारिता के साथ 17वें वर्ष में पदार्पण पर विदर्भ स्वाभिमान को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
सौ.सुनंदाताई, विनोदराव,वैभवराव खरड तथा समस्त खरड परिवार,टेलीकाम कॉलोनी,अमरावती.

लड्डू समर्पण महायज्ञ 5 जुलाई से, दे सकते हैं भक्त योगदान

विदर्भ स्वाभिमान, 1 जुलाई

अमरावती- शहर के संतश्री गजानन महाराज भक्तों द्वारा गुरूपूर्णिमा पर बेहतरीन प्रयास किया गया है. अंबानगरी धार्मिक नगरी रहने से यहां पर युवाओं तथा भक्तों द्वारा विभिन्न धार्मिक उपक्रम चलाया जाता है. इस कड़ी में इस बार लाखों भक्तों के सद्गुरू संतश्री गजानन महाराज को गुरूपूर्णिमा के पावन अवसर पर भक्ति की अनूठी सेवा देने की योजना बनाई है. इस कड़ी में गुरुपूर्णिमा 29 जुलाई 2026 के पावन अवसर पर 5 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक श्री गजानन महाराज, शेगांव में प्रतिदिन वितरित होने वाले बूंदी लड्डू प्रसाद हेतु सामग्री समर्पण महायज्ञ का आयोजन किया गया है. इसमें अधिकाधिक संख्या में भक्तों से शामिल होने तथा अपने सामर्थ्य के मुताबिक योगदान देने का आग्रह किया गया है.

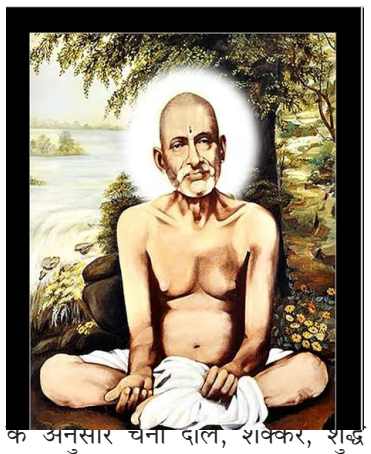

आप अपनी श्रद्धा एवं सामर्थ्य के अनुसार चना दाल, शक्कर, शुद्ध देशी घी अथवा सूखा मेवा में से कोई भी सामग्री समर्पित कर सकते हैं. सभी सामग्री देना आवश्यक नहीं है.

पिछले वर्ष श्रद्धालुओं के सहयोग से 1.21 लाख मूल्य की सामग्री समर्पित की गई थी. इस वर्ष भी अधिक से अधिक भक्त इस पुण्य सेवा में सहभागी बनें.सामग्री संग्रह अवधिः 5 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक रहेगी. इसमें भक्तों से योगदान देने का आग्रह किया गया है. इसके लिए मुख्य संग्रह केंद्रः

ईशावास्यममिदम श्री गजानन महाराज मंदिर, गोदावरी कॉलोनी, दस्तूरनगर, अमरावती रखा गया है. इस पावन काम में योगदान देने के इच्छुक भक्तों से प्रमोद कराले से मोबाइल 9423123145, प्रशांत महल्ले 9922703923 से संपर्क करने का आग्रह किया गया है. यदि आपके शहर में संग्रह केंद्र नहीं है, तो ऑनलाइन सहयोग भी स्वीकार किया जाएगा. गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री गजानन महाराज की सेवा में अपना श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के इस पावन मौके का लाभ लेने का आग्रह भक्तों से किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

अनुपस्थित 400 बीएलओ होगी कठोर कार्रवाई, एफआईआर होगी

मुंबई -केन्द्रीय चुनाव आयोग के निर्देश पर महाराष्ट्र की मतदाता सूची का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू किया गया है. इस कार्य के लिए मुंबई में 10111 मतदान केन्द्र अधिकारी नियुक्त किए गए हैं. उनमें से 9132 बीएलओ ने उपस्थिती दर्ज कराई है. लेकिन चार-पांच बार नोटिस देने के बाद भी 400 से अधिक बीएलओ अभी भी अनुपस्थित हैं. इसे आयोग ने गंभीरता से लेते हुए इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का मन बना लिया है. राज्य में एसआईआर कार्य शुरू हो गया है. बुधवार को मनपा की अतरिक्ति आयुक्त और अतिरिक्त चुनाव अधिकारी प्राजक्ता वर्मा ने अनुपस्थितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया.

गुणवत्ता   विश्वसनीयता   तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.